आईआईएम रांची ने झारखंड के एनजीओ प्रतिज्ञा के साथ मिलकर जगन्नाथपुर बस्ती में दूसरी सामुदायिक पुस्तकालय का उद्घाटन किया

रांची

जगन्नाथपुर बस्ती में रहने वाले समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास के तहत, आईआईएम रांची ने एनजीओ प्रतिज्ञा के साथ मिलकर दूसरी 'सामुदायिक पुस्तकालय' का उद्घाटन किया है। यह पहल आईआईएम रांची की शिक्षा, ज्ञान और समुदाय विकास के प्रति अखंड समर्पण को दर्शाती है।

आईआईएम रांची और प्रतिज्ञा के संयुक्त प्रयासों से स्थापित हुआ सामुदायिक पुस्तकालय जगन्नाथपुर बस्ती के निवासियों के लिए एक मूल्यवान स्रोत केंद्र प्रदान करने का उद्देश्य रखता है। विभिन्न पुस्तकों प्रदान करके, यह पहल समुदाय को ज्ञान और बौद्धिक विकास के माध्यम से सशक्त बनाने का प्रयास करती है। आईआईएम रांची ने हमेशा समाज से संबंध स्थापित करने और कमजोर समुदायों को उन्नत बनाने के लिए अपने समर्पण को प्रदर्शित किया है। एनजीओ प्रतिज्ञा के साथ मिलकर यह सहयोग उनके साझेदार प्रयासों को प्रतिष्ठित करता है जो जगन्नाथपुर बस्ती के निवासियों के जीवनों पर सकारात्मक प्रभाव डालने में मदद करते हैं। प्रतिज्ञा झारखंड का एक स्थानीय एनजीओ है, जो शिक्षा, बच्चों की सुरक्षा और विकास के मुद्दों पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जनता के लिए कई आधारित सामाजिक पहलों और समुदाय कार्यक्रम चला रहा है।

दूसरे सामुदायिक पुस्तकालय का उद्घाटन आज प्रोफेसर दीपक कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, डॉ. गौरव मनोहर मराठे, डॉ. एलन जोशुआ जॉर्ज, डॉ. जयंत कुमार त्रिपाठी, आईआईएम रांची और चंदन सिंह, सह-संस्थापक निदेशक, लक्ष्मी कुजूर, कार्यप म समन्वयक, एनजीओ प्रतिज्ञा की उपस्थिति में हुआ। उनकी सामूहिक उपस्थिति ने शिक्षा और पढ़ने के माध्यम से जीवन को समृद्ध बनाने की साझा दृष्टि को रेखांकित किया। इस नेक प्रयास के माध्यम से, आईआईएम रांची और प्रतिज्ञा का लक्ष्य सीखने और ज्ञान साझा करने की संस्कृति को बढ़ावा देना, समुदाय को नए अवसरों का लाभ उठाने और एक उज्जवल भविष्य अपनाने के लिए सशक्त बनाना है।

Gujarat Vaibhav, 21.07.2023, Pg.2